Ministry of Commerce and Industry
Government of India

Ministry of Steel
Government of India

1927-2017 FICCI @90

For Private Circulation Only

Scan QR-Code
View e-Paper

Content & Design
Magic Wand
Excellence is a habit!

INDIA STEEL 2017
19-21 April, 2017
Mumbai Exhibition Centre
Mumbai, India

DAY 1
NEWS @SHOW

Glimpses of the last edition of the show

**Marching Towards Progress**

# Steeling the Show

**With a view to have a steel hold on the economy of the country, the Ministry of Steel, Government of India and the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI), have combined their efforts in the form of India Steel Expo 2017, an international exhibition and conference on the steel industry. The 3rd edition of the expo is opened to public from today until April 21, 2017 at Mumbai Exhibition Centre, Mumbai.**

India Steel Expo is a joint initiative taken by the Ministry of Steel, Government of India and FICCI to provide a platform to participants, delegates, business visitors and other key decision makers from steel and other related industries to connect for the exchange of ideas and explore new business avenues.

Steel is of paramount importance to a country's economy and per capita consumption of steel is the barometer of the socio-economic development of its people. Hence, for a country like India, it is no less than a boon that our steel sector ranks third in the steel production and is poised to soon rank second.

Along with the traditional sectors such as construction, housing and ground transportation, special steels are now increasingly being used in engineering industries such as power generation, petrochemicals and fertilizers. This integration of the steel sector with other industries, thus, makes immense room for the sector to prosper and give the country's economy further momentum.

## FACTORS IN FAVOUR

This growth in the Indian steel sector can also be credited to the availability of raw materials such as iron ore and

प्रगति की ओर बढ़ना

# उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है

देश की अर्थव्यवस्था पर इस्पात का वर्चस्व बनाए रखने के उद्देश्य से इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स ऐन्ड इंडस्ट्री (फीछी) ने इन्डिया स्टील एक्स्पो 2017 इस्पात क्षेत्र के आंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी तथा कॉन्फरन्स के रूप में अपने प्रयत्नों को जोड़ दिया है। इस एक्स्पो का तीसरा संस्करण आगंतुको के लिए आज से अप्रैल 21, 2017 तक मुंबई एक्झिबिशन सेन्टर, में खुला है।

इन्डिया स्टील एक्स्पो भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय तथा फिक्की द्वारा प्रतिभागियों, प्रतिनिधियों, व्यापारिक आंगंतुकों तथा इस्पात और उससे संबंधित उद्योगों के प्रमुख निर्णयकर्ता ओं को साथ लाकर उनके विचारों के आदानप्रदान के लिए एवं व्यापार के लिए नए अवसर देने हेतु एक मंच उपलब्ध करने की एक संयुक्त पहल है।

देश की अर्थव्यवस्था के लिए इस्पात का सर्वोच्च महत्व है तथा इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत देश के लोंगों के सामाजिकआर्थिक विकस का अहम हिस्सा है इसलिए भारत जैसे देश के लिए इस्पात उत्पादन में इस्पात क्षेत्र का तीसरे स्थान पर होना वरदान से कम नहीं है और जल्द ही वह दूसरे स्थान पर जाने के लिए तैयार है।

निर्माण, आवास तथा भूमि परिवहन जैसे पारंपारिक क्षेत्र के साथ ही अब इस्पात का इस्तमाल अभियांत्रिकी उद्योग से जुड़े बिजली उत्पादन, पेट्रोकेमिकल्स तथा फर्टिलाइझर (उर्वरक) में भी बढ़ती मात्रा में किया जा रहा है। इस्पात क्षेत्र का अन्य उद्योगो के साथ एकीकरण, इस क्षेत्र को समृद्ध करने का व्यापक अवकाश देते हुए देश की अर्थव्यवस्था को अधिक गति प्रदान करता है।

## अपने पक्ष में मुद्दे

भारतीय इस्पात क्षेत्र के विकास का श्रेय लोह, अयस्क जैसे कच्चे माल और लागत प्रभावी श्रम की उपलब्धता को दिया जा सकता है। परिणामतः यह क्षेत्र भारत के विनिर्माण उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यह प्रदर्शनीसहसम्मेलन प्रौद्योगिकी की सहायता से खनन से इस्पात उत्पाद पर, इस्पाद उत्पादों की

Contd on page 2

Continued from page 1

cost-effective labour. Consequently, the sector has been playing a key role in India's manufacturing output.

The exhibition-cum-conference will have its emphasis on steel production from mining with the aid of technology, demand generation of steel products and the delivery of the products to the end customers. The event will be highlighting the importance of supply chain in the Indian steel industry and opportunitiestherein. Mostimportantly, it will help build a roadmap to fulfil the goal of taking India's steel production capacity to 300 MT per annum by 2030.



Dignitaries during the ribbon cutting ceremony from the previous edition of the show

### A STEEL DEAL

India Steel Expo has been continuously providing an ideal platform for showcasing the latest products, technology, machinery and equipment, applications & developments in the Indian steel industry.

The 3rd edition is once again playing a host to around 180 national and international steel and related technology provider companies such as aerospace, component manufacturers, automotive, construction, defence and security, energy, engineering, EPC contractors, machinery and technology, oil and gas, railways and steel intensive user industries.

Parallel events like CEOs Round Table, Reverse Buyer Seller Meet and networking functions should not be missed as they are educative and useful in generating business leads.

The conferences will have experts talking about the developments and best practices in analysis, design and construction methodology pertaining to steel and mining. The networking opportunities will help understand global steel markets.

### WHO'S TO EXHIBIT WHAT?

Following are the industries showcasing their products: automation & instrumentation; metal producing companies; welding equipment & services; conveyorbelting&components; earthmoving, construction machinery & lighting; material processing & handling equipment manufacturers; foundry machinery & technology; transportation and logistics; forging, casting equipment and accessories; mineral processing units; casting, forging and foundry industry; component manufacturers; iron and steel production and so on.

### KNOWLEDGE SHARING

Oneoftendoesnotrealisetheimportance of conferences until one attends one. It is an ideal place to mingle with like-minded professionals who are ready to share their knowledge, experience and expertise. Chances are high that you mightgetalltheadviceandsolutionshere that you were looking for. Such places always serve as a breeding ground for fresh ideas. With such passionate people under the same roof there is no dearth of enthusiasm. It is energising to engage and connect with each other. Some do it for lasting business alliances, for some it is just to rejuvenate the focus.

मांग तथा अंत ग्राहकों तक उत्पाद वितरण पर जोर देगा। यह प्रदर्शनी भारतीय इस्पात उद्योग में आपूर्ति श्रृंखला का महत्व और अवसर पर प्रकाश डालेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें **2030** तक भारत के इस्पात उत्पाद की क्षमता को प्रति वर्ष **300** दशलक्ष टन्स तक ले जाने के लक्ष्य को पूरा करने का मानचित्र तैयार किया जाएगा।

### इस्पात का सौदा

इन्डीया स्टील एक्स्पो भरतीय इस्पात उद्योग को अपने नवीनतम उत्पादों, पौद्योगिकी, मशीनरी एवम उपकरण, अनुप्रयोगों एवम विकास के प्रदर्शन के लिए लगातार एक आदर्श मंच प्रदान कर रहा है। तीसरा संस्करण एक बार फिर अेरोस्पेस, घटक निर्माताओं, मोटर वाहन, निर्माण, रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा, अभियांत्रिकी, इपीसी कॉन्ट्रॅक्टर्स, मशीनरी और प्रौद्योगिकी, तेल और गैस जैसी लगभग **180** राष्ट्रीय तथा आंतरराष्ट्रीय इस्पात एवं संबंधित प्रौद्योगिकी प्रदाता कम्पनीयों का स्वागत कर रहा है। सीइओझ राऊंड टेबल, रिवर्स बायरसेलर्स मीट और नेटवर्किंग फंक्शन्स जैसे समांतर कार्यक्रम का लाभ ज़रूर लेना चाहिए क्योंकि वें ज्ञान सभर होतें है साथ ही व्यावसायिक सृजन करने में फायदेमंद होते हैं। इन सम्मेलनों में विकास और विश्लेपण में सर्वोत्तम अभ्यास तथा इस्पात और खनन से संबंधित रचना और निर्माण कार्यप्रणाली पर जानकारी देने विशेषज्ञ उपस्थित होंगें। नेटवर्किंग अवसर वैश्विक इस्पात बज़ार को समझने में मदद करेंगे।

### कौन क्या प्रदर्शित करेगा?

निम्नलिखित उद्योग अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैंः ऑटोमेशन और इन्स्ट्रुमेंटेशन, मेटल प्रडयुसिंग कम्पनीझ, वेल्डिंग इक्विपमेन्ट और सर्विसिस, कन्वेयर बेल्टिंग और कम्पोनन्टस्, अर्थ मुविंग, कन्स्ट्रक्शन मशीनरी और लाईटींग, मटेरियल प्रोसेसिंग और हॅन्डलिंग इक्विपमेन्ट मॅन्युफ़ेक्चरर्स, फाऊन्डरी मशीनरी अॅन्ड टेक नोलोजी, ट्रान्स्पोर्टेशन और लॉजिस्टीक्स, फोर्जिंग कास्टिंग इक्विपमेन्ट और अॅक्सेसरिज़, मिनरल प्रोसेसिंग युनिटस्, कास्टिंग, फोर्जिंग और फाऊ न्ड्री इन्डस्ट्री, कम्पोनन्ट मॅन्युफ़ेक्चरर्स, आयर्न अॅन्ड स्टील प्रॉडक्शन इत्यादि।

### ज्ञान का आदानप्रदान

हमें तब तक कॉन्फरन्स की एहमियत का अहसास नहीं होता, जब तक हम उसमें शामेल नहीं होतें। अपने अनुभव, ज्ञान तथा विद्वत्ता को बांटनेवाले समान विचारधारावाले पेशेवरों को मिलनझुलने के लिए यह एक आदर्श जगह हैं। हो सकता है कि जो सलाह और समाधान की आप तलाश में हैं, वह आपको यहीं मिल जाए। ऐसी जगह हमेशा नए विचारों तथा योजनाओं को जन्म देती हैं। एक छत के नीचे जोश से भरे लोगों के बीच उत्साह की कोई कमी नहीं हो सकती है। एकदूसरे के साथ काम करने तथा जुड़ने से एक शक्ति मिलती है। कुछ लोग इसे दीर्घकालिन व्यापारी गठजोड़ के लिए करतें हैं, तो कुछ इससे अपने केंद्र को जीवंत करतें हैं।

Messages

# Heading towards Stronger Steel Industry

**The Government of India is striving towards building a strong steel industry. Platforms like India Steel Expo 2017 will lead towards achieving that goal. In this regard, Government officials give us a sneak peek at their views and the policy changes professionals should look forward to.**

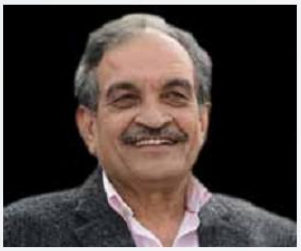

"The initiatives taken by the Ministry of Steel over the past couple of months have created level playing field for the domestic industry and the steel sector is growing at a record pace, with a substantial increase in exports. The Ministry has come out with a Draft National Steel Policy 2017, aiming to take India's steel production capacity to 300 million tonnes per annum and to increase per capita consumption to a level of 160 kg, more than doubling the present levels by 2030 in both the cases. I am sure the event will prove to be a unique platform for stakeholder interaction and business promotion."

**Birender Singh**
**Minister of Steel**
**Govt. of India**

"पिछले कुछ महिनों से इस्पात मंत्रालय द्वारा किए गए प्रयासों की वजह से घरेलू उद्योग के स्तर को खुला मैदान मिला है तथा स्टील क्षेत्र में तेज़ी से बढ़ौती हो रही है, जिसके चलते निर्यात में भी पर्याप्त वृद्धि हुई है। स्टील मंत्रालय ने भारत की स्टील उत्पादक क्षमता को प्रति वर्ष 300 मिलियन टन से बढ़ाते हुए प्रति व्यक्ति खपत के वर्तमान स्तर को दुगुना कर, उसे 2030 तक 160 कि ग्रा तक बढ़ाने का लक्ष्य केन्द्रित करनेवाली ड्राफ्ट नैशनल स्टील पॉलिसी 2017 निकाली है। मुझे यकिन है कि यह आयोजन हितधारकों के संपर्क के लिए तथा व्यापारिक तरक्की के लिए एक अद्वितीय मंच साबित होगा।"

बिरेन्दर सिंह
इस्पात मंत्री
भारत सरकार

"India Steel has been continuously providing the much-needed forum to the important players in this sector to interact with and exchange ideas for establishing business linkages. The current edition's initiation of Reverse Buyer Seller Meet has opened an array of opportunities to forge business alliances across the globe. Looking at the great potential of the sector in mobilizing investment, employment generation and overall social development, the Ministry of Steel, Govt. of India is providing all the necessary policy and institutional support for the development of this sector."

**Vishnu Deo Sai**
**Minister of State for Steel**
**Govt. of India**

"भारत स्टील, व्यापार संबंध के लिए स्टील क्षेत्र के महत्वपूर्ण खिलाड़ीयों को अपनी योजनाओं के आदान प्रदान के लिए तथा पारस्परिक विचारविमर्श के लिए लगातार अतिआवश्यक मंच की पूर्ति करता आया है। रिवर्स बायरसेलर्स मीट के वर्तमान संस्करण की शुरूआत ने विश्वभर में व्यापार गठजोड बनाने के अवसरों की एक सरणी खोली है। निवेश को संगठित करने में क्षेत्र की महान संभावना को देखते हुए भारत सरकार रोजगार सृजन तथा समग्र सामाजिक विकास के लिए आवश्यक नीति और संस्थागत समर्थन प्रदान कर रही है।"

विष्णु देव साइ
इस्पात राज्य मंत्री
भारत सरकार

"I am happy to note that the Ministry of Steel, Govt. of India and Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) will be joining forces to organise the 3rd edition of India Steel Expo. The ministry earnestly strives to develop multi-dimensional steel sector and has been in the forefront to draft appropriate policies to further the growth momentum for the sector. The efforts have been put together for boosting the domestic steel consumption while simultaneously tapping overseas opportunities. The event will witness participation of over 180 national and international steel and related technology provider companies. Parallel events like CEOs Round Table, Reverse Table, Reverse Buyer Seller Meet and Networking functions will create a dynamic atmosphere for the exchange of ideas and for doing business."

**Dr Aruna Sharma, IAS**
**Secretary**
**Ministry of Steel**
**Govt. of India**

"मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि इंडिया स्टील एक्स्पो के तीसरे संस्करण के आयोजन में इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चॅम्बर्स ऑफ कॉमर्स अॅन्ड इंडस्ट्री (फीछी) साथ में आ रहें है। मंत्रालय स्टील क्षेत्र के विकास के लिए बहुआयामी प्रयास कर रहा है तथा क्षेत्र के विकास की गति बढ़ाने के लिए उचित नितीयों को तैयार करने में सबसे आगे है। घरेलू स्टील की खपत को बढ़ाने के लिए तथा विदेशी अवसरों का लाभ उठाने की ओर कदम उठाए जा रहे हैं। इस कार्य क्रम में स्टील तथा उससे जुड़ी 180 से भी अधिक राष्ट्रीयआंतरराष्ट्रीय पौद्योगिकी प्रदाता कंपनियाँ उपस्थिती देगी। सीइओझ राऊंड टेबल, रिवर्स टेबल, रिवर्स बायरसेलर्स मीट तथा नेटवर्किंग फंक्शन्स जैसे समांतर कार्यक्रम, व्यावसाय करने हेतु विचारों के आदानप्रदान के लिए एक उत्साह का वातावरण निर्माण कर देंगे।"

डॉ अरूणा शर्मा, आयएएस
सचिव, इस्पात मंत्रालय
भारत सरकार

"The Indian steel industry has achieved global recognition overcoming many constraints. It is one of the largest in terms of producing and exporting in the world market. It provides employment to over a million people and has grown at a remarkable pace over the past decade, taking India to the forefront of the world steel scenario. India Steel 2017 will be an excellent opportunity to showcase varied steel products, associated techniques and technologies for the view of the business visitors, as also varied stakeholders to explore new vistas of opportunities for furthering the demand for these products in both domestic and international market. And with every passing edition of the India Steel we are building up not just a brand, but positioning it as a niche sector in the international market with a huge potential for growth, revenue earning through export and employment generation through skill development."

**Dr A Didar Singh**
**Secretary General**
**FICCI**

"भारतीय इस्पात उद्योग ने कई बाधाओं से बाहर आकर वैश्विक मान्यता हासिल की है। यह क्षेत्र उत्पादन तथा निर्यात के मामले में विश्व के सबसे बड़े बाज़ारों में से एक है। इसने दस लाख से अधिक लोगों को रोज़गार प्रदान किया है तथा पिछले दशक में इसने उल्लेखनिय गति से विकास किया है जिस के चलते भारत इस्पात विश्व इस्पात उद्योग में अग्र स्थान पर है। इन्डिया स्टील 2017 इस्पात उत्पादों, व्यवसाय से जुड़े आगंतुकों के दृष्टिकोण के लिए संबद्ध तकनीको तथा प्रोद्योगिकीयों को प्रदर्शित करने का एक उत्तम अवसर होगा, साथ ही विभिन्न हितधारकों को इन उत्पादों की राष्ट्रीय तथा आंतरराष्ट्रीय बाज़ार में मांग बढाने के लिए अवसरों का नया रूप तलाशने का मौका मिलेगा। इन्डिया स्टील के हर संस्करण के साथ हम सिर्फ एक बॅन्ड का निर्माण नहीं कर हैं, बल्कि आंतरराष्ट्रीय बाज़ार में विशाल क्षमता, निर्यात के माध्यम से राजस्व आय तथा कौशल विकास के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ इस्पात क्षेत्र को बतौर विशिष्ट क्षेत्र स्थान दिलवा रहें हैं।"

डॉ अे दिदार सिंह
महासचिव
फिक्की (FICCI)

Goods & Services Tax

# From a manufacturing point of view

**From a business perspective, the Goods and Services Tax (GST) bill is on a mission of transforming India into "one single market" that will spur growth and improve the ease of doing business.**

It has been identified as one of the most important tax reforms post-independence which can be a game changer for those in business. Experts firmly hold the view that GST will bring about favourable changes to the economic scene of the nation and the time is just right to make it happen.

The passing of four bills in the Parliament - the Central Goods and Services Tax Bill 2017, Integrated Goods and Services Tax Bill 2017, Union Territory Goods and Services Tax Bill 2017 and the Goods and Services Tax (Compensation to States) Bill 2017 - is a historic achievement. But there still remains a lot to be understood as we wait for the GST to be implemented. Clarity has to be brought to questions such as what is the importance of GST, what is its design, how does it compare with tax structures seen in other countries.. etc etc.

After having carefully weighed the pros and cons, it is but important that the manufacturing industry takes into consideration the bigger picture and be ready for the various positive results that could follow once GST is implemented.

## REWARD TIME FOR MANUFACTURING INDUSTRY

Manufacturing is imperative for India's economic growth and GST will offer manufacturing and machine tool industry the much needed fillip to enable it to move in the right direction.

In his interviews to the media, Prime Minister of India, Narendra Modi has been all praises for GST calling it the best example of cooperative federalism which will be instrumental in India's progress.

It is expected that GST will widen the resource pool that will help alleviate poverty and usher in development. This will be of great help to Indian states that have a large consumer base but are falling short of resources. This could be a reality with the inflow of resources to the central and state exchequers and flexibility in tax base.

GST will have a big impact on the "Make in India" initiative by tackling the present hindrances in the form of multiplicity of taxes. There is the Central Sales Tax on inter-state sales of goods, various intra-state taxes, and countervailing duty exemptions which favour imports as against indigenous production. Excise duty, service tax, value added tax, luxury and entertainment tax will be subsumed.

GST will abolish all these and pave way for a single national uniform tax for goods and services across India from July 1 onwards this year.

Tax governance will also get a facelift with GST implementation. The removal of cascading impact of taxes will bring efficiency, rein in tax evasion and expand tax payer base as well. The country's GDP could get a boost of about 1 - 2% following the implementation.

Indian manufacturers will see some Acche Din finally.

## SEEING EYE TO EYE

The passing of the GST bills in the Lok Sabha and the Rajya Sabha has come about as a collective achievement. The objective of the bill is to have one tax, to have one interface, one assessing officer, a more efficient tax with higher compliance.

As state legislatures give their nod to their respective state GST bills, a pan-India roll out of GST will be a reality.

It would not be as easy as it sounds and there would be teething issues in its initial stages of implementation. But it's an encouraging start to see that when it comes to the larger interest of business and of the nation, manufacturing fraternity has one voice.

## GOOD TIMES AHEAD

One can now be assured of the good times that lay ahead. With a predictable structured tax regime, supply chain will only become quicker, seamless and efficient. Goods can now move from one part of the country to another without many bottlenecks. This will invite fresh investments and make the country a manufacturing hub. Indian Machine Tool Manufacturers' Association welcomes the country's biggest tax reform for which it has been waiting for long.

Source: Indian Machine Tool Manufacturers' Association (IMTMA)

# Conference Schedule

**The three-day India Steel 2017 is action packed with enriching sessions and conferences. Industry experts will share their insights and experiences that will help chart the future of the industry. Here's to what look forward to:**

| Time | DAY I: April 19, 2017 |
|---|---|
| 13:30-15:00 | **Session I: Panel Discussion - Demand Drivers for Indian Steel Industry**<br>Moderator: Sunil Barthwal, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India<br>**Panelists:**<br>• Naresh Kumar, Chairman, New Delhi Municipal Council<br>• Kunal Kumar, Municipal Commissioner, Pune<br>• Chanakya Choudhary, Group Director (Corporate Communication & Regulatory Affairs), Tata Steel Ltd<br>• Vinod K Dasari, President, Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM)<br>• Irfan Razack, Chairman, Confederation of Real Estate Developers' Associations of India (CREDAI)<br>• Defense Procurement<br>• Rajiv Rajvanshi, Senior Vice President, Jindal Stainless Ltd<br>• Mahesh Tandon, Managing Director, Tandon Consultants Pvt Ltd |
| 15:15-16:45 | **Session II: Panel Discussion - Creating Favorable Infrastructure, Logistics Support and Regulatory Environment**<br>Moderator: Syedain Abbasi, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India<br>**Panelists:**<br>• A K Behera, Executive Director (Traffic Transportation), Railway Board<br>• Deepak Bhatnagar, Secretary General, Pellet Manufacturers Association of India<br>• Anand Kumar Singh, Member (Projects), National Highways Authority of India<br>• Shrikant Mahiyaria, Member (Traffic), Inland Waterways Authority of India<br>• Pankaj Batra, Member (Planning), Central Electricity Authority<br>• Seshagiri Rao, Joint Managing Director & Group CFO, JSW Ltd<br>• Rabindra Kumar Agarwal, Joint Secretary, Sagarmala Project, Ministry of Shipping, Government of India |
| **Time** | **DAY II: April 20, 2017** |
| 10:00-11:30 | **Session III: Panel Discussion - Make Steel - Make In India for Reducing Import Dependency**<br>Moderator: Syedain Abbasi, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India<br>**Panelists:**<br>• Sunil Mishra, Managing Director, Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Ltd<br>• Soma Mondal, Director (Commercial), Steel Authority of India Ltd<br>• Moyukh Bhaduri, Chairman-cum-Managing Director, Hindustan Steelworks Construction Ltd<br>• Deependra Kashiva, Executive Director, Sponge Iron Manufacturers' Association<br>• Shivramkrishnan Hariharan, Chief Commercial Officer, Essar Steel Ltd<br>• Gee Woong Sung, Chairman and Managing Director, POSCO India<br>• Sivasubramanian Natarajan, Managing Director, ThyssenKrupp Industries India Pvt Ltd<br>• Shoji Muneoka, Chairman, Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation |
| 11:45-13:15 | **Session IV: Panel Discussion - Ensuring Raw Material Security for Indian Steel Industry**<br>Moderator: Subhash Chandra, Joint Secretary, Ministry of Mines, Government of India<br>**Panelists:**<br>• Dr Gopal Dhawan, Chairman-cum-Managing Director, Mineral Exploration Corporation Ltd<br>• D N Prasad, Advisor, Ministry of Coal, Government of India<br>• N K Nanda, Director (Technical), National Mineral Development Corporation<br>• Rajib Bhattacharya, Managing Director, Ferro Scrap Nigam Ltd<br>• Manish Kharbanda, Executive Director, Jindal Steel & Power Ltd<br>• Sanjay Mehta, President, Metal Recycling Association of India |
| 14:00-15:30 | **Session V: Panel Discussion - Enhancing Capabilities of Indian Steel: Technology, Innovation and R&D**<br>Moderator: Sunil Barthwal, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India<br>**Panelists:**<br>• Manish Kumar, Managing Director and Chief Executive Officer, National Skill Development Council<br>• Amit Kumar Jha, Assistant General Mananger, Midrex Technologies<br>• Mukesh Bhandari, Chairman, Electrotherm (India) Ltd<br>• Jaco Cilliers, Country Director, United Nations Development Programme<br>• A M Parial, Vice Chairman, Chhattisgarh Infotech & Biotech Promotion Society<br>• Hiroshi Okuno, Chief Executive Officer, Primetals Technologies India Pvt Ltd<br>• Mark Ferguson, Managing Director, PSI Metals UK Ltd |
| 15:30-15:45 | **Opening Remarks**<br>• Jyoti Vij, Deputy Secretary General, Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry<br>**Session Take-Aways**<br>• a) Subhash Chandra, Joint Secretary, Ministry of Mines, Government of India<br>• b) Syedain Abbasi, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India<br>• c) Sunil Barthwal, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India<br>**States Perspective**<br>• a) R K Sharma, Principal Secretary, Department of Steel and Mines, Government of Odisha<br>• b) Sunil Kumar Barnwal, Secretary, Department of Industries, Mines & Geology, Government of Jharkhand<br>**Special Address**<br>• V K Saraswat, Member, NITI Aayog<br>**Valedictory Address**<br>• Vishnu Deo Sai, Hon'ble Minister of State for Steel, Government of India<br>**Vote of Thanks**<br>• Vinay Mathur, Deputy Secretary General, Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry |

Logistics

# Packaging It Right

**Steel being one of the core resources of the country, it's essential that right methods are used to ensure its safe transport. Rakesh Pattanaik, General Manager, Lamiflex Packaging India Pvt Ltd, a company that provides packaging solutions to steel, aluminium and cable industries, sheds light on how heavy industry is packing its goods.**

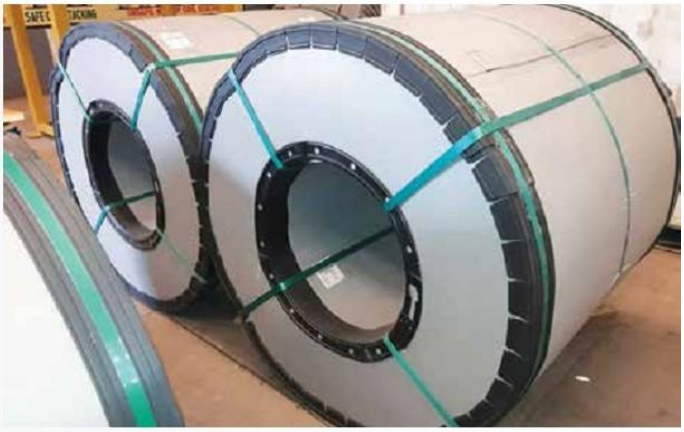

India's growing economy has a lot to owe to its steel sector. It contributes immensely to the development of the country and accelerating its growth. But efforts are required to protect these assets and one such company that specialises in doing so is Lamiflex Packaging India Pvt Ltd.

The company offers transport packaging solutions to steel, aluminium and cable industries. "Our products include materials, machines, services and process improvements with methods and tools to develop and implement the optimal packaging solution and processes for packing," informed Rakesh Pattanaik, General Manager, Lamiflex Packaging India. The company offers comprehensive solutions including services for recycling or reuse of products along with product systems.

"Our solutions are focused on reducing the total cost of packaging to a minimum. With that in mind, most of our solutions and systems take a wider scope and help our customers and partners to lower their total cost by including aspects like yield, transportation, recycling, worker safety, branding and cost of packaging personnel," he elaborated.

The Lamiflex Group has its presence since 1992. Headquartered in Nyköping, Sweden, it is globally represented by employee based subsidiaries and exclusive partnerships in many different countries. "This is essential to understand and serve the local customers in a better manner," shared Pattanaik.

## STEELING ITS WAY THROUGH

"Steel is the backbone for any developing country and considering the per capita consumption of steel in India, we have a long way to go. The Government is doing its job, but the need of the hour is to invest in technology and be competitive not only in the Indian market, but also globally," Pattanaik opined.

When asked his views on how far has the steel has evolved as a material, Pattanaik said, "It is good to see steel being used in many specialized applications. Steel was never meant for coil or sheet packet application in steel plants. It is the seconds or off grade material, which is more of scrap value, and thus used in packing. There are alternative materials, which provide better safety, productivity and protection compared to steel. They are much economical as well. This not only shifts the paradigm of looking at scrap generated at each mill, but also hits the productivity and margin of the mills. Thus to stay competitive, the target should be to improve yield and add value."

## VISION AND VALUES

According to Pattanaik, Lamiflex believes in improving the way heavy industry is packing their goods globally and sharing the gains of these improvements with its customers.

The company's vision is to continue to be the world leading provider of packaging solutions in its segments. "Efficient solutions are good for costs reduction, but also often for personnel and the environment. Lamiflex will assist our customers to achieve a competitive edge in all of these aspects," he said.

The company has commitment and creativity as its core values -- the commitment to support and develop its customers, partners and employees, and the creativity to research and develop the optimal solutions based on the prerequisites of its customers and partners.

"The commitment and creativity is also to protect and minimize the environmental effects of our manufacturing processes and final products. We are globally large enough to lead the development, but regionally small enough to support all of our customers with personal commitment," concluded Pattanaik.

**Lamiflex Packaging India Pvt Ltd**
**www.lamiflex.com**
**Hall 5, Booth 61**

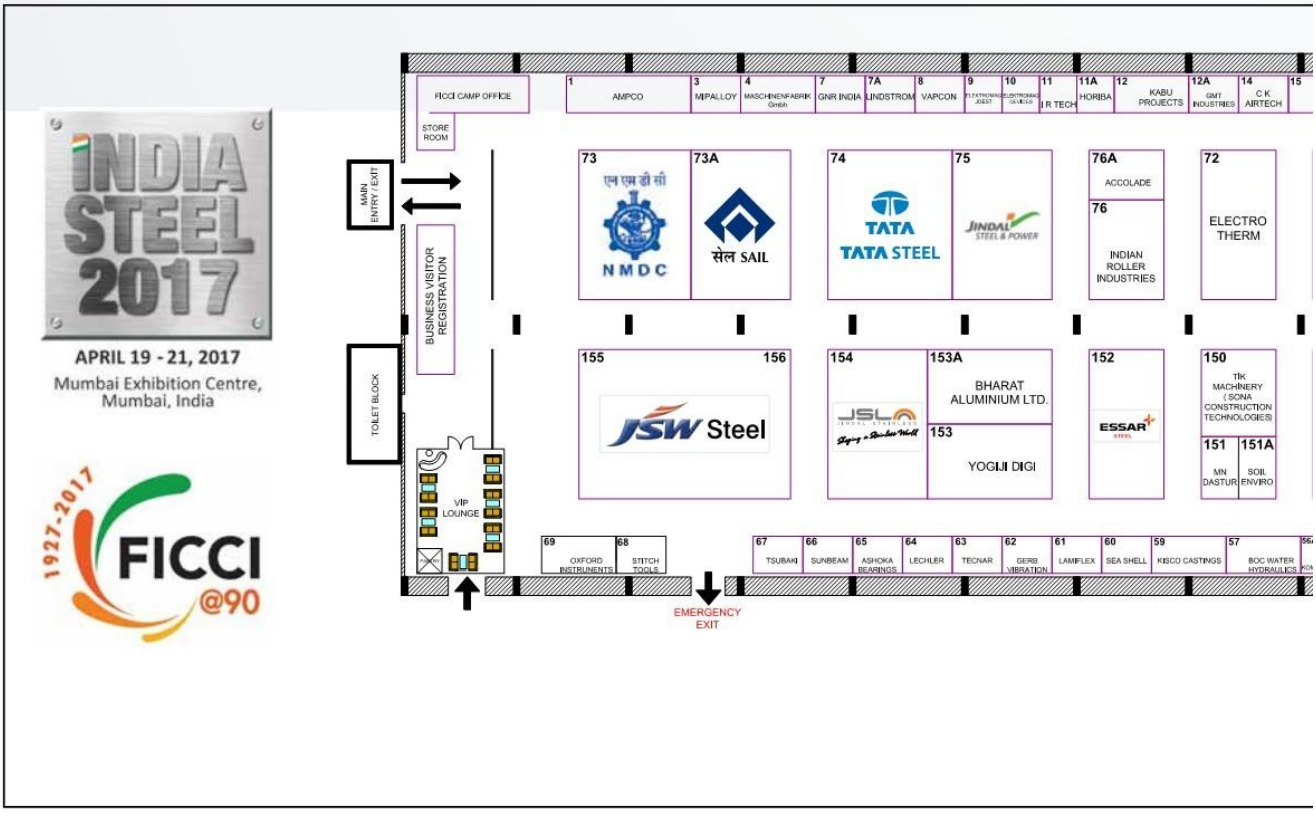

लॉजिस्टीक्स

# पॅकेजिंग का सही तरीका

इस्पात देश का मुख्य संसाधन होने के कारण उसके सुरक्षित परिवहन के लिए सही तरीकों का इस्तमाल करना ज़रूरी है, ऐसा लॅमिफ्लेक्स पॅकेजिंग इंडिया प्रायवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक राकेश पटनायक ने, भारी उद्योग अपने उत्पाद के पॅकेजिंग कैसे करते हैं इस पर प्रकाश डालते हुए कहा। लॅमिफ्लेक्स पॅकेजिंग इंडिया प्रायवेट लिमिटेड इस्पात, ॲल्युमिनियम और केवल उद्योग को पॅकेजिंग के उपाय प्रदान करती हैं।

भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था इस्पात क्षेत्र की ऋणी है। इस क्षेत्रने देश के विकास और उसके तेज़ीसे बढ़ने में बड़ी मात्रा में योगदान दिया है, लेकिन इस परिसंपत्ति की रक्षा करना ज़रुरी है और ऐसा कम करनेवाली एक कंपनी है लॅमिफ्लेक्स पॅकेजिंग इंडिया प्रायवेट लिमिटेड।

यह कंपनी इस्पात, ॲल्युमिनियम और केवल उद्योग को पॅकेजिंग के उपाय प्रदान करती हैं। "हमारे उत्पाद में सामग्री, यंत्र, सेवाएँ, प्रक्रिया सुधार, इष्टतम पॅकेजिंग के लिए सही उपायों का विकास और उ सका अमल शामिल है," लॅमिफ्लेक्स पॅकेजिंग इंडिया प्रायवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक राकेश पटनायकने जानकारी दी। यह कंपनी व्यापक समाधान पेश करती है, जैसे कि उत्पाद प्रणालियों के साथ उत्पाद का पुनःउपयोग करना।

"हमारे सुझाव पॅकेजिंग का खर्च न्यूनतम करने पर केंद्रित होते हैं। यह बात ध्यान में रखते हुए, हमारे समाधान और प्रणालियां एक व्यापक दायरे लेते हैं और हमारे ग्राहक और साथियों की सहायता करके उपज, परिवहन, पुनःउपयोग, कामगारों की सुरक्षा, बँडिंग और पॅकेजिंग में लगनेवाले कर्मियों का खर्चा कम करने का कार्य करते हैं," उनहोंने विस्तृत किया।

"Steel is the backbone of any developing country and considering the per capita consumption of steel in India, we have a long way to go."

**Rakesh Pattanaik**
**General Manager**
**Lamiflex Packaging India Pvt Ltd**

लॅमिफ्लेक्स समूह 1992 से मौजूद है। इसका मुख्यालय स्वेडन के नीशोपिंग शहर में है और उ सका अस्तित्व दुनिया के विविध देशों में कर्मचारी आधारित सहायक तथा सम्मिलित धंधे के साथ है। "स्थानिक ग्राहकों को समझने में और उन्हें अच्छी तरह सेवा देने हेतु यह जरूरी है," पटनायकने बताया।

## अपनी राह को मज़बूत करना

"एक विकसनशील देश के लिए इस्पात रीढ़ की हड्डी की तरह है और भारत के इस्पात के प्रति व्यक्ति खपत को देखते हुए लंबा रास्ता काटना है। सरकार अपना काम कर रही है, लेकिन इस वक्त यह ज़रुरी है कि तकनिकी में निवेश किया जाय और ना सिर्फ देश में, बल्कि विश्व में स्पर्धात्मक बनना ज़रुरी है," पटनायकने अपना मत व्यक्त किया।

वतौर सामग्री इस्पात के विकास पर जब उनसे उनके विचार पूछे गए तो उन्होंने बताया, "यह खुशी की बात है कि इस्पात का उपयोग कई विशेष अनुप्रयोगों में हो रहा है। इस्पात का इस्तमाल इस्पात संयंत्र के कोइल या शिट पैकेट ॲप्लिकेशन में नहीं होता था। न्यून गुणवत्ता का इस्पात अवशिष्ट मूल्य का होता है, इस लिए उसका उपयोग पॅकेजिंग में किया जाता है। इस्पात से सस्ते और बेहतर सुरक्षा, उत्पादकता और संरक्षण देनेवाले अन्य वैकल्पिक सामग्री उपलब्ध है। ये सस्ते भी हैं। इससे हर मिल में स्क्रॅप रूपावली से ध्यान हटाकर उत्पादकता और लाभ पर होता है। इस लिए, प्रतिस्पर्धी रहने के लिए। उत्पादन बढ़ाने पर और मूल्य जोड़ने पर ध्यान देना चाहिए।"

## लक्ष्य और मूल्य

पटनायक के अनुसार लॅमिफ्लेक्स का यह लक्ष्य है कि दुनियाभर में भारी उद्योग के पॅकेजिंग के तरीके में सुधार लाया जाए और इस सुधार का लाभ अन्य ग्राहकों के साथ बांटें।

इस कंपनी का लक्ष्य अपने क्षेत्र में पॅकेजिंग सुझाव देनेवाली विश्व की अगणी प्रदाता बने रहना है। "हम कुशल समाधान खर्च में कटौती के लिए तो अच्छे है ही, लेकिन कईबार नीजी और पर्यावरण के लिए भी अच्छे हैं। लॅमिफ्लेक्स इन सभी पहलुओं में प्रतिस्पर्धी बढ़त हांसिल करने के लिए हमारे ग्राहकों की सहायता करेगा," उन्होंने कहा।

प्रतिबद्धता और रचनात्मकता यह कंपनी के दो मूल मूल्य हैं.....अपने ग्राहकों, सहयोगियों तथा कर्म चारियों के समर्थन और विकास के लिए वचनबद्धता और अपने ग्राहकों और भागीदारों की अन्य चीज़ की आवश्यकताओं के आधार पर उनके इष्टतम समाधान के लिए खोज एवम् संशोधन की रचनात्मकता।

"प्रतिबद्धता और रचनात्मकता हमारी विनिर्माण प्रक्रियाओं तथा अंतिम उत्पादों की वजह से पर्यावरण पर हो रहे असर के बचाव के लिए भी है। वैश्विक तौर हम इतने बड़े है कि विकास के नेतृत्व के लिए पर्याप्त है और साथ ही क्षेत्रिय रूप से हम इतने छोटे भी है कि हमारे सभी ग्राहकों का व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के साथ समर्थन सके," अंत में पटनायक ने कहा।

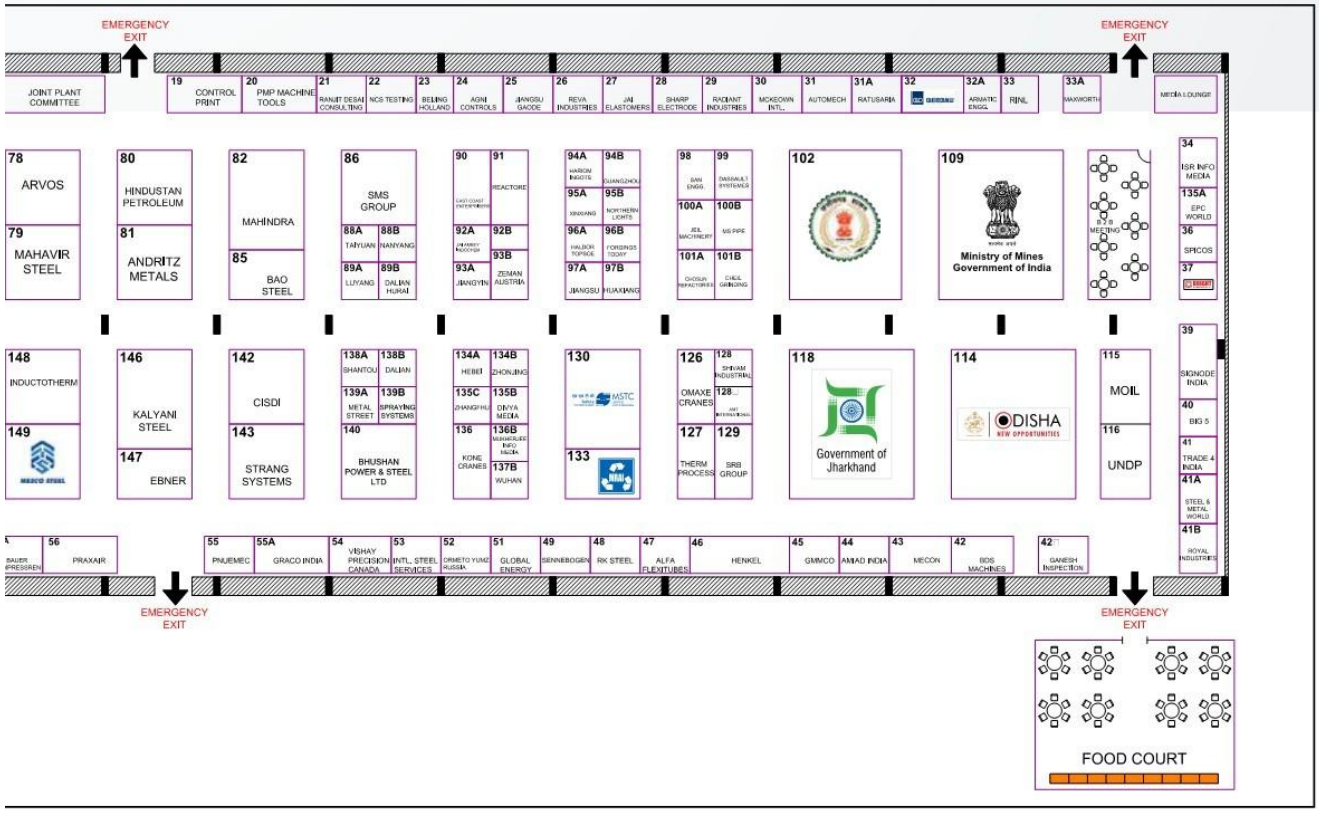

www.magicwandmedia.in

What is RRC? Want to KNOW?

CONTACT
M: +91-9740048390
E: info@magicwandmedia.in

RAPID RESPONSE CARD
More leads... better results!

Magic Wand
Excellence is a habit!

THINK DIFFERENTLY

Magic Wand Media Inc
Branding – Publishing
CONTACT:
M: +91 9870401498
+91 9740048390
E: info@magicwandmedia.in
www.magicwandmedia.in

Magic Wand
Excellence is a habit!

LAMIFLEX GROUP

PushWrapper
Get a wrapping machine for free

Stall no 61

All plastic pack

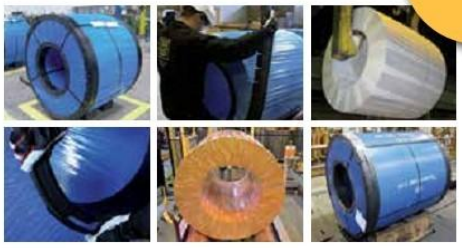

Lamiflex Group
The packaging solution provider for the steel industry.

Lamiflex Packtech India Pvt. Ltd.
Level 13, Platinum Techno Park, Plot No. 17&18
Sector 30A, Vashi
Navi Mumbai - 400 705
Phone: +91 22 6181 8433
Fax: +91 22 6121 4952
Mobile: +91 9619 875 205
india@lamiflex.com